



पाठ-बोध

प्रश्नों के उत्तर दें—

● मौखिक (Oral)

- धोबी रोज़ गधे पर कपड़ों का बोझ लादकर नदी पर ले जाता था।
- गधे ने खुश होकर ढेंचू-ढेंचू करना शुरू किया।
- झाड़ी में शेर आराम कर रहा था।
- गधा अपनी आज्ञादी को खोना नहीं चाहता था।

● लिखित (Written)

- गधा रोज़ बोझा ढोते-ढोते और मार खाते-खाते तंग आ गया था।
- गधे की तेज़ आवाज़ से झाड़ी-में-सो रहे शेर की नींद खुल गई, जिससे वह नाराज़ हो गया।
- शेर को अपने पास-देखकर गधे ने सोचा, अगर मरना ही है तो फिर क्यों न पेटभर घास खाकर ही मरूँ।
- राजा बनने के लिए गधे ने शेर को जानवरों की रक्षा करना सीखने के लिए कहा।
- गधे की चतुराई से उसकी स्वयं की जान बची।

व्याकरण-बोध

1. समानार्थी शब्द चुनकर लिखें—

स्वतंत्र, स्वर, मुक्त, सरिता, केसरी, वनराज, कानन, तरीका, तटिनी, युक्ति, ध्वनि, वन

नदी	—सरिता....तटिनी....	:	शेर	—केसरी....वनराज....
आज्ञाद	—स्वतंत्र....मुक्त....	:	जंगल	—कानन....वन....
आवाज़	—स्वर....ध्वनि....	:	उपाय	—तरीका....युक्ति....

2. वचन बदलें—

चीज़	—चीज़ें....	:	बात	—बातें....	:	गधा	—गधे....
कपड़ा	—कपड़े....	:	आवाज़	—आवाज़ें....	:	छलाँग	—छलाँगें....

3. उदाहरण के अनुसार शब्द बदलकर लिखें—

पिटना क्रिया से	—पिटवाई....पिटते-पिटते....	:	रोना क्रिया से	—रुलाई....रोते-रोते....
देखना क्रिया से	—दिखाई....दिखते-दिखते....	:	पढ़ना क्रिया से	—पढ़ाई....पढ़ते-पढ़ते....
लिखना क्रिया से	—लिखाई....लिखते-लिखते....	:				



4. उचित सर्वनाम लिखकर वाक्य पूरे करें—

- i) गधे ने शेर से पूछा "तुम" कौन हो ?
- ii) शेर ने कहा "मैं" इस जंगल का राजा हूँ।
- iii) शेर ने बिगड़कर कहा, मैं "तुम्हें" कड़ी सजा दूँगा।
- iv) गधे को धोबी दिखाई नहीं दे रहा था। "वह" आज़ाद हो चुका था।
- v) गधा खुश हुआ तो "उसने" ढेंचू-ढेंचू करना शुरू कर दिया।

तुम
मैं
तुम्हें
वह
उसने

5. इस पाठ में आपने पढ़ा—

गधे की बोली — ढेंचू-ढेंचू शेर की बोली — दहाड़ना

● पता करें और इन पंक्तियों का अपनी मातृभाषा में अनुवाद करें—

हाथी की बोली	—	“चिंघाड़ना”	•	घोड़े की बोली	—	“हिनहिनाना (हिन-हिन)”
कौए की बोली	—	“काँव-काँव”	•	कोयल की बोली	—	“कूकना”
गाय की बोली	—	“रँभाना”	•			